विश्व व्यापार के आधार पर, वैश्वीकरण के आधार पर, लघु उद्योगों को इस प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाने के लिए हमारी सरकार दृढ़ संकल्प है और हम माननीय सदन से आग्रह करेंगे कि यह सदन सर्वसम्मति से इस बिल को पारित करे, ताकि हम औद्योगिक जगत में लोगों को रोजगार दें सकें, उन्हें आगे बढ़ा सकें और गरीबी को मिटा सकें। हमारी आपके माध्यम से माननीय सदन से विनती है, विनम्रतापूर्वक आग्रह है कि इस विधेयक को पारित किया जाए।

श्री सभापति: मंत्री महोदय, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद, आपने सबको आश्वासन दे दिया ..... इन्होंने सबको आश्वासन दे दिया। मंत्री जी, आप ये आश्वासन लिख लें, अन्यथा कभी आप संकट में पड़ जाएंगे कि ये आश्वासन दिए थे और मुकर नहीं पाएंगे।

The question is:

"That the Bill to provide for facilitating the promotion and development and enhancing the competitiveness of micro, small and medium enterprises and for matters connected therewith or incidental thereto, as passed by Lok Sabha, be taken into consideration.

The motion was adopted.

MR. CHAIRMAN: We shall now take up clause-by-clause consideration of the Bill.

Clauses 2 to 32 were added to the Bill.

Clases 1, the Enacting Formula, the Preamble and the Title were added to the Bill.

श्री महावीर प्रसाद: महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं:

कि इस विधेयक को पारित किया जाए।

The question was put and the motion was adopted.

The Constitution (One Hundred and Fifth Amendment) Bill, 2006

MR CHAIRMAN: Now, we take up the Constitution (One hundred and Fifth Amendment) Bill, 2006.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI SHRIPRAKASH JAISWAL): Sir, I move:

"That the Bill further to amend the Constituion of India, as passed by Lok Sabha, be taken into consideration."

Sir, the proviso to aarticle 164(1) of the Constitution of India, in its present form, makes it mandatory for the States of Bihar, Madhya Pradesh and Orissa to have a Minister in-charge of Tribal Welfare, who may, in addition, be in-charge of the welfare of the Scheduled Castes and Backward Classes or any other work. The Constitution, however, does not debar States other than the three States mentioned in the said proviso to have such Minister in-charge of Tribal Welfare. The new States of Chhattisgarh and Jharkhand came into being with effect from 1.11.2000 and 15.11.2000 respectively. Consequent upon the enactment of the Madhya Pradesh Reorganisation Act, 2000 and the Bihar Reorganisation Act, 2000, with the creation of these two new States, a sizeable portion of the scheduled area of the erstwhile State of Madhya Pradesh stand transferred to Chhattisgarh, and the entire scheduled area of the former Bihar State stand transferred to the newly formed Jharkhand State. The Scheduled Areas States of Chhattisgarh, Jharkhand and Madhya Pradesh Order, 2003, CO 192, specifies the scheduled area in respect of Chhattisgarh, Jharkhand and Madhya Pradesh.

As per the Census figures of 2001, the percentage of scheduled tribes in the total population of Bihar is only 0.9 per cent while in Jharkhand, Chhattisgarh and Madhya Pradesh, the percentage of tribal population is 26.3, 31.8 and 20.3 per cent respectively. The Constitution (Ninety-fourth Amendment) Bill, 2006, seeks to exclude Bihar from the purview of provision of 164(1) and to extend the said proviso to the newly formed States of Chhattisgarh and Jharkhand.

Sir, I commend the Constitution (One Hundred and Fifth Amendment) Bill, 2006, as passed by Lok Sabha, to this august House for consideration and passing.

The question was proposed.

श्री समन पाठक (पश्चिमी बंगाल): माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे संविधान (105वां संशोधन) विधेयक, 2006 पर बोलने का अवसर दिया, मैं इसके लिए आपको धन्यवाद देता हूं।

मान्यवर, मैं इस विधेयक का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। वैसे तो यह बिल टेक्निकल नेचर का है, लेकिन संविधान के अनुच्छेद 164 में यह प्रावधान है कि मध्य प्रदेश,

बिहार और उड़ीसा, जहां पर आदिवासी बहुल क्षेत्र हैं, वहां पर आदिवासियों के कल्याण एवं हितों का ध्यान रखेगा। चूंकि बिहार को दो राज्यों में विभाजित किया गया है, अतः संविधान के अनुच्छेद 164 का प्रावधान झारखण्ड के लिए भी किया जा रहा है।

मान्यवर, मैं कुछ खास बिन्दुओं की ओर सरकार का ध्यान ले जाना चाहता हूं। जब सन् 2000 में उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश का पुनर्निर्माण हुआ था, तब नए राज्य बने थे। उनमें सीटों की संख्या नहीं बढ़ाई गई थी। केवल उत्तरांचल राज्य के विधान सभा की सीटें बढ़ाई गई थीं, लेकिन छत्तीसगढ़ और झारखण्ड की सीटों को नहीं बढ़ाया गया था। अगर हम जनसंख्या की दृष्टि से देखें, तो केरल में 3.1 करोड़ की जनसंख्या पर 140 विधान सभा की सीटों का प्रावधान है, जबकि झारखण्ड में 2.70 करोड़ की जनसंख्या होने पर भी सिर्फ 81 विधान सभा की सीटें हैं महोदय, मेरी मांग है कि एक नया विधेयक लाकर झारखण्ड की विधान सभी की सीटों को कम-से-कम 150 तक बढ़ाया जाए। इसके बारे में सीपीआई की झाराखण्ड राज्य कमेटी की ओर से माननीय प्रधान मंत्री जी के समक्ष भी यह मांग रखी गई है, क्योंकि विधान सभा में 15 प्रतिशत मंत्रियों की संख्या की लिमिटेशन है, जिस कारण विधान सभा के कुल सदस्यों की संख्या के 15 प्रतिशत सदस्यों को ही मंत्रिमंडल में जगह मिल पाती है। विधान सभा की कम सीट होने के कारण मंत्रियों की संख्या भी कम होती है। इसके चलते अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को मंत्रिमंडल में कम प्रतिनिधित्व मिलता है। अगर हम झारखण्ड की ओर देखें, तो विभाजन से पहले अनुसूचित जातियों के लिए विधान सभी में 28 सीटें आरक्षित थीं, लेकिन अनुसूचित जातियों के आधार पर नया राज्य बन गया, तो उसमें शैड्यूल्ड ट्राइब्स की सीटें केवल 21 रह जायेगी।

मान्यवर, मैं एक महत्वपूर्ण बिन्दु की ओर सरकार का ध्यान ले जाना चाहता हूं कि झारखण्ड और छत्तीसगढ़ आर्थिक रूप से पिछड़े प्रदेश हैं और यहां कृषि के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं, जैसे कि सिंचाई तथा अन्य सुविधाएं न होने के कारण यहां के लोग दूसरे प्रदेशों में रोजी-रोटी के लिए जाते हैं। इस कारण इन प्रदेशों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या जनगणना में दर्ज नहीं हो पाती है। इन लोगों की जनसंख्या वास्तविक जनसंख्या में कम होती है। इसलिए इन लोगों को कम प्रतिनिधित्व मिल पाता है। इसी कारण से इन राज्यों की विधान सभा सीट को बढ़ाने की यथाशीघ्र आवश्यकता है। मेरा सरकार से निवेदन है कि एक विधेयक लाकर इन प्रदेशों में विधान सभा की सीटों को बढ़ाया जाए तथा अभी डि-लिमिटेशन का जो कार्य इन प्रदेशों में चल रहा है, उसे रोककर विधान सभा की सीटों को बढ़ाने के बाद डि-लिमिटेशन किया जाए।

अंत में महोदय, यह निवेदन है कि जैसे अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और मिजोरम को संविधान द्वारा विशेष राज्य का दर्जा दिया गया है, मेरा निवेदन है कि संविधान में संशोधन लाकर

झारखण्ड को भी एक विशेष जनजातीय प्रदेश का दर्जा दिया जाए जिस से यहां के जनजातियों का चहुमुखी विकास सुनिश्चित हो सके। धन्यवाद।

श्री सभापति: सुश्री सुशीला तिरिया।

सुश्री सुशीला तिरिया (उड़ीसा): सर, बहुत-बहुत धन्यवाद।

डा॰ मुरली मनोहर जोशी (उत्तर प्रदेश): मैं समझता हूं कि इसे बिना चर्चा के पास करवाना उचित होगा।

सुश्री सुशीला तिरिया: सर, मैं इस कांस्टीट्यूशन अमेंडमेंट बिल 2006 के समर्थन में खड़ी हुई हूं। सर, इस के अंदर एस॰सी॰एस॰टी॰ और दलितों व बैकवर्ड के बिहार से झारखण्ड व छत्तीसगढ़ के मध्य प्रदेश से अलग होने का सवाल है। यह एक समर्थन करने का अमेंडमेंट है और एक ट्रायबल प्रतिनिधि होने के नाते मैं इस का तहेदिल से समर्थन करती हूं।

सर, मेरी यह पहली स्पीच है। मैं यहां इस विषय से जुड़ी समस्या को भी जोड़ना चाहूंगी।

श्री सभापति: मुख्य बात तो यही है कि आप ने समर्थन कर दिया।

सुश्री सुशीला तिरिया: सर, ज्यादा समय न लेते हुए मैं केवल इतना कहना चाहूंगी कि आर्टिकल 164 में जो संविधान में अमेंडमेंट है, यह तो झारखण्ड व छत्तीसगढ़ का हक है। उन का अधिकार है, सर् बिहार में 0.9 परसेंट पॉपुलेशन ट्रायबल हैं और भले ही वह पहले शेड्यूल एरिया था, मैं समझती हूं कि झारखंड के अलग होने के बाद शेड्यूल एरिया उन का अधिकार है। साथ ही छत्तीसगढ़ का भी अधिकार है, लेकिन मैं सरकार से कहना चाहूंगी कि शेड्यूल एरिया भले ही बन जाए, लेकिन ट्रायबल इलाके में शेड्यूल इलाके में अभी प्रतिबंध है। सर, उन राज्यों को, क्षेत्र को, उस रीजन को शेड्यूल एरिया इसलिए बोला जाता है क्योंकि वे पिछड़े हैं और उन्हें आगे आना चाहिए। वहां के ट्रायबल्स को डवलपमेंट के रास्ते पर आगे आना चाहिए, लेकिन आर॰आर॰ पॉलिसी जिस तरह लागू हो रही है, मैं कहना चाहूंगी कि 1950 से 1990 तक ट्रायबल्स का डवलपमेंट के नाम से डिस्प्लेसमेंट हुआ है, लेकिन उन को रिहैबिलेट नहीं किया गया है। मैं समझती हूं डवलपमेंट के नाम से हम ट्रायबल को एक हाथ से देते हैं, लेकिन दूसरे हाथ से उन को प्रगति के रास्ते से उठाकर फैंक देते हैं। जब हम उन को मेनस्ट्रीम में शेड्यूल एरिया में लाने की कोशिश करते हैं, तो मैं समझती हूं कि इस चीज का उनके लिए संशोधन इस में भी होना चाहिए। उन की विस्थापन की नीति पर सरकार को दोबारा से सोचना चाहिए। मैं यहां कहूंगी कि जो ट्रायबल्स जिस क्षेत्र से - माइंस से, जहां पर इंडस्ट्रीज हैं, जहां बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स हैं, वहां से बाहर फेंके गए हैं, उन को 2 से 5 परसेंट जॉब opportunities भी नहीं दी गयी हैं। उन के पास land नहीं हैं और वे landless होकर बैठे हैं। मैं यहां एक बात जोड़ना चाहूंगी कि उन की पुनर्वास

नीति पर चाहे राय सरकार की कुछ भी पॉलिसी हो, सरकार को दोबारा सोचना चाहिए, केन्द्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए।

सर, ट्रायबल्स की समस्या पर सभी पार्टी के प्रतिनिधि समर्थन करते हैं, सभी अपने को उस में शामिल करते हैं।

सर, मैं समझती हूं कि हम जहां तहे दिल से, दिल से उनका कुछ डेवलपमेंट चाहते हैं, तो इस चीज़ को भी इसके साथ जोड़ना चाहिए। सर, मैं मान रही हूं कि यह कंस्टिट्युशनल एमेंडमेंट है, फिर भी मैं समझती हूं कि एक प्रतिनिधि होने के नाते मुझे यह कहना भी बहुत जरूरी है। कलिंग नगर में आज 12 लोगों की हत्या की गई, पुनर्वास के नाम पर ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: ठीक है, ठीक है ...(**व्यवधान**)...

सुश्री सुशीला तिरिया: हिन्दुस्तान में ट्राइबल क्षेत्रों में कलिंग नगर से लेकर भाखड़ा-नांगल आदि जितने भी डेवलपमेंट के प्रोजेक्ट्स हैं, मैं समझती हूं कि उनसे उत्पन्न समस्याओं को भी इसमें देखना चाहिए। उनके लिए केवल प्रोजेक्ट और स्कीम न देते हुए, उनका इम्प्लिमेंटेशन का तरीका भी देखना चाहिए। मैं इसका तहे दिल से समर्थन करना चाहूंगी। आपका धन्यवाद, सर।

श्री सभापति: बहुत-बहुत धन्यवाद। Hon'ble Minister.

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल: सर, जेसा मैंने पहले की कहा है कि माननीय सदस्यों ने जिन समस्याओं के बारे में, जिन दिक्कतों के बारे में सदन का ध्यान आकर्षित किया है, वे दिक्कतें भी बहुत वाज़िब हैं, लेकिन जो संशोधन प्रस्तुत किया गया है, इससे उनका कोई ताल्लुक नहीं है। जब भी उस तरह की चर्चा कभी आएगी, तो उन चर्चाओं पर गवर्नमेंट निश्चित रूप से ध्यान देगी और जेसा माननीय सदन कहेगा, उस तरीके का एमेंडमेंट किया जाएगा। फिलहाल मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि इस संशोधन को जिस तरह से पेश किया गया है, उसे पास कराया जाए।

MR. CHAIRMAN: I shall now put the motion to vote.

The question is:

> "That the Bill further to amend the Constitution of India, as passed by Lok Sabha, be taken into consideration."

The House divided

MR. CHAIRMAN: **Ayes** : 157

Noes : Nil

Ayes : 157

Aggarwal, Shri Jai Parkash
Ahmed, Shri Sk. Khabir Uddin
Akhilesh Das, Dr.
Alexander, Dr. P.C.
Ali, Shri Anwar
Alvi, Shri Raashid
Anand Sharma, Shri
Anbalagan, Shri S.
Antony, Shri A.K.
Azad, Shri Gandhi
Azmi Maulana Obaidullah Khan
Bagrodia, Shri Santosh
Balmiki, Shri Krishan Lal
Barot, Shri Jayantilal
Basha, Shri S.M. Laljan
Bhandary, Prof. Ram Deo
Bhardwaj, Shri Hans Raj
Bhardwaj, Shri Suresh
Bhatia, Shri Virendra
Bhattacharjee, Shri Karnendu
Biswas, Shri Debabrata
Bohidar, Ms. Pramila
Bora, Shri Indramoni
Cariappa, Shrimati Prema
Chandran, Shri S.S.
Chandrasekhar, Shri Rajeev
Chatterjee, Shri Prasanta
Chaturvedi, Shri Lalit Kishore
Chaturvedi, Shri Satyavrat
Chavan, Shri Prithviraj
Condpan, Shri Silvius

Darda, Shri Vijay J.
Deora, Shri Murli
Deshpande, Kumari Nirmala
Dhinakaran, Shri T.T.V.
Durga, Shrimati N.P.
Dwivedi, Shri Janardan
Gill, Dr. M.S.
Gnanadesikan, Shri B.S.
Govindarajar, Shri N.R.
Goyal, Shri Vedprakash P.
Gupta, Shri Prem Chand
Hariprasad, Shri B.K.
Heptulla, Dr. (Shrimati) Najma A.
Indira, Shrimati S.G.
Jaitley, Shri Arun
Joshi, Shri Manohar Gajanan
Joshi, Dr. Murli Manohar
Judev, Shri Dilip Singh
Kamaraj, Shri R.
Kanchal, Shri Banwari Lal
Karan Singh, Dr.
Karat, Shrimati Brinda
Kashyap, Shri Ramadhar
Keishing, Shri Rishang
Khan, Shri K. Rahman
Khan, Shri S.P.M. Syed
Khandelwal, Shri Pyarelal
Kidwai, Shrimati Mohsina
Krishnamurthy K., Shri Jana
Kshatriya, Prof. Alka Balram
Kurian, Prof. P.J.
Lath, Shri Surendra
Lepcha, Shri O.T.

Madhu, Shri Penumalli
Mahendra Mohan, Shri
Majhi, Shri Bhagirathi
Majumdar, Shri Chittabrata
Malaisamy, Dr. K.
Mandal, Shri Mangani Lal
Maroo, Shri Ajay
Misra, Shri Satish Chandra
Mohapatra, Shri Pyarimohan
Mukherjee, Dr. Barun
Murthy, Shri M. Rajasekara
Naik, Shri Shantaram Laxman
Nandi Yellaiah, Shri
Naqvi, Shri Mukhtar Abbas
Narayanan, Shri P.G.
Narayanasamy, Shri V.
Natchiappan, Shri E.M. Sudarsana
Natwar Singh, Shri K.
Nayak, Dr. Radhakant
Pachouri, Shri Suresh
Pany, Shri Rudra Narayan
Pasha, Shri Sd. Azeez
Patel, Shri Ahmed
Patel, Shri Kanjibhai
Patel, Shri Keshubhai S.
Patel, Shri Praful
Patel, Shri Surendra Motilal
Pathak, Shri Saman
Perumal, Shri C.
Pillai, Shri K. Chandran
Pillai, Shri Thennala G. Balakrishna
Poojary, Shri Janardhana
Prasad, Shri Rajniti

Prasad, Shri Ravi Shankar
Rahman, Shri Motiur
Rajasekharan, Shri M.V.
Ramachandraiah, Shri C.
Ramesh, Shri Jairam
Rao, Dr. Dasari Narayana
Rao, Shri K. Keshava
Rao, Shri V. Hanumantha
Rashtrapal, Shri Praveen
Raut, Shri Sanjay
Ravi, Shri Vayalar
Rawat, Shri Harish
Rebello, Ms. Mabel
Rebia, Shri Nabam
Reddy, Shri G. Sanjeeva
Reddy, Shri Mule Venkata Mysura
Reddy, Shri Ravula Chandra Sekar
Reddy, Dr. T. Subbarami
Roy, Shri Abani
Roy, Shri Tarini Kanta
Rupani, Shri Vijay Kumar
Sabharwal, Shri Dharm Pal
Samadani, Shri M.P. Abdussamad
Sarkar, Shri Matilal
Selvan, Shri Thanga Tamil
Sen, Shri Tapan Kumar
Sengupta, Shri Arjun Kumar
Sharma, Shri Laxminarayan
Sharma, Shri Satish Kumar
Sharmah, Shri Dwijendra Nath
Shinde, Shri Sushilkumar Sambhajirao
Shukla, Shri Rajeev
Shunmugasundaram, Shri R.
Siddiqui, Shri Shahid

Singh, Shri Amar
Singh, Shri Arjun
Singh, Shri Bashistha Narain
Singh, Dr. Manmohan
Singh, Shrimati Maya
Singh, Shri Uday Pratap
Singhvi, Dr. Abhishek Manu
Sinha, Shri Yashwant
Soni, Shrimati Ambika
Soz, Prof. Saif-ud-Din
Sukhbuns Kaur, Shrimati
Sushree Devi, Shrimati
Swaraj, Shrimati Sushma
Tariq Anwar, Shri
Thakur, Shrimati Viplove
Thirunavukkarasar, Shri Su.
Tiriya, Ms. Sushila
Trivedi, Shri Dinesh
Vasan, Shri G.K.
Verma, Shri Vikram
Vijayaraghavan, Shri A.
Vora, Shri Motilal
Vyas, Shri Shreegopal
Yadav, Shri Nand Kishore
Yadav, Shri Sharad
Yadav, Shri Subhash Prasad
Yechury, Shri Sitaram
Zeliang, Shri T.R.

Noes - Nil

The motion was carried by a majority of the total membership of the House and by a majority of not less than two-thirds of the Members present and voting

MR. CHAIRMAN: Now, we shall take up Clause-by-Clause consideration of the Bill. Clause 2.

The House divided

MR. CHAIRMAN:

Ayes : 157

Noes : Nil

Ayes : 157

Aggarwal, Shri Jai Parkash
Ahmed, Shri Sk. Khabir Uddin
Akhilesh Das, Dr.
Alexander, Dr. P.C.
Ali, Shri Anwar
Alvi, Shri Raashid
Anand Sharma, Shri
Anbalagan, Shri S.
Antony, Shri A.K.
Azad, Shri Gandhi
Azmi, Maulana Obaidullah Khan
Bagrodia, Shri Santosh
Balmiki, Shri Krishan lal
Barok, Shri Jayantilal
Basha, Shri S.M. Laljan
Bhandary, Prof. Ram Deo
Bhardwaj, Shri Hans Raj
Bhardwaj, Shri Suresh
Bhatia, Shri Virendra
Bhattacharjee, Shri Karenendu
Biswas, Shri Debabrata
Bohidar, Ms. Pramila
Bora, Shri Indramoni
Criappa, Shrimati Prema
Chandran, Shri S.S.
Chandrasekhar, Shri Rajeev
Chatterjee, Shri Prasanta
Chaturvedi, Shri Lalit Kishore

Chaturvedi, Shri Satyavrat
Chavan, Shri Prithviraj
Condpan, Shri Silvius
Darda, Shri Vijay J.
Deora, Shri Murli
Deshpande, Kumari Nirmala
Dhinakaran, Shri T.T.V.
Durga, Shrimati N.P.
Dwivedi, Shri Janardan
Gill, Dr. M.S.
Gnanadesikan, Shri B.S.
Govindarajar, Shri N.R.
Goyal, Shri Vedprakash P.
Gupta, Shri Prem Chand
Hariprasad, Shri B.K.
Heptulla, Dr. (Shrimati) Najma A.
Indira, Shrimati S.G.
Jaitley, Shri Arun
Joshi, Shri Manohar Gajanan
Joshi, Dr. Murli Manohar
Judev, Shri Dilip Singh
Kamaraj, Shri R.
Kanchal, Shri Banwari Lal
Karan Singh, Dr.
Karat, Shrimati Brinda
Kashyap, Shri Ramadhar
Keishing, Shri Rishang
Khan, Shri K. Rahman
Khan, Shri S.P.M. Syed
Khandelwal, Shri Pyarelal
Kidwai, Shrimati Mohsina
Krishnamurthy K., Shri Jana
Kshatriya, Prof. Alka Balram
Kurian, Prof. P.J.

Lath, Shri Surendra
Lepcha, Shri O.T.
Madhu, Shri Penumalli
Mahendra Mohan, Shri
Majhi, Shri Bhagirathi
Majumdar, Shri Chittabrata
Malaisamy, Dr. K.
Mandal, Shri Mangani Lal
Maroo, Shri Ajay
Misra, Shri Satish Chandra
Mohapatra, Shri Pyarimohan
Mukherjee, Dr. Barun
Murthy, Shri M. Rajasekara
Naik, Shri Shantaram Laxman
Nandi Yellaiah, Shri
Naqvi, Shri Mukhtar Abbas
Narayanan, Shri P.G.
Narayanasamy, Shri V.
Natchiappan, Shri E.M. Sudarsana
Natwar Singh, Shri K.
Pachouri, Shri Suresh
Pany, Shri Rudra Narayan
Pasha, Shri Sd. Azeez
Patel, Shri Ahmed
Patel, Shri Kanjibhai
Patel, Shri Praful
Patel, Shri Surendra Motilal
Pathak, Shri Saman
Perumal, Shri C.
Pillai, Shri K. Chandran
Pillai, Shri Thennala G. Balakrishna
Poojary, Shri Janardhana
Prasad, Shri Rajniti
Prasad, Shri Ravi Shankar

Rahman, Shri Motiur
Rajasekharan, Shri M.V.
Ramachandraiah, Shri C.
Ramesh, Shri Jairam
Rao, Dr. Dasari Narayana
Rao, Shri K. Keshava
Rao, Shri V. Hanumantha
Rashtrapal, Shri Praveen
Raut, Shri Sanjay
Ravi, Shri Vayalar
Rawat, Shri Harish
Rebello, Ms. Mabel
Rebia, Shri Nabam
Reddy, Shri G. Sanjeeva
Reddy, Shri Mule Venkata Mysura
Reddy, Shri Ravula Chandra Sekar
Reddy, Dr. T. Subbarami
Roy, Shri Abani
Roy, Shri Tarini Kanta
Rupani, Shri Vijay Kumar
Sabharwal, Shri Dharam Pal
Samadani, Shri M.P. Abdussamad
Sarkar, Shri Matilal
Selvan, Shri Thanga Tamil
Sen, Shri Tapan Kumar
Sengupta, Shri Arjun Kumar
Sharma, Shri Laxminarayan
Sharma, Shri Satish Kumar
Sharmah, Shri Dwijendra Nath
Shinde, Shri Sushilkumar Sambhajirao
Shukla, Shri Rajeev
Shunmugasundaram, Shri R.
Siddiqui, Shri Shahid

Singh, Shri Amar
Singh, Shri Arjun
Singh, Shri Bashistha Narain
Singh Dr. Manmohan
Singh, Shrimati Maya
Singh, Shri Uday Pratap
Singhvi, Dr. Abhishek Manu
Sinha, Shri Yashwant
Soni, Shrimati Ambika
Soz, Prof. Saif-ud-Din
Sukhbuns Kaur, Shrimati
Sushree Devi, Shrimati
Swaraj, Shrimati Sushma
Tariq Anwar, Shri
Thakur, Shrimati Viplove
Thirunavukkarasar, Shri Su.
Tiriya Ms. Sushila
Trivedi, Shri Dinesh
Vasan, Shri G.K.
Verma, Shri Vikram
Vijayaraghavan, Shri A.
Vora, Shri Motilal
Vyas, Shri Shreegopal
Yadav, Shri Nand Kishore
Yadav, Shri Sharad
Yadav, Shri Subhash Prasad
Yechury, Shri Sitaram
Zeliang, Shri T.R.

The motion was carried by a majority of the total membership of the House and by a majority of note less than two-thirds of the Members present and voting.

Clause 2 was added to the Bill.

MR. CHAIRMAN: Now, we shall take up Clause 1, the Enacting Formula and the Title of the Bill.

The question is:

That Clause 1, the Enacting Formula and the Title stand part of the bill.

The House divided

MR. CHAIRMAN:

Ayes	:	157
Noes	:	Nil
Ayes	:	**157**

Aggarwal, Shri Jai Parkash
Ahmed, Shri Sk. Khabir Uddin
Akhilesh Das, Dr.
Alexander, Dr. P.C.
Ali, Shri Anwar
Alvi, Shri Raashid
Anand Sharma, Shri
Anbalagan, Shri S.
Antony, Shri A.K.
Azad, Shri Gandhi
Azmi, Maulana Obaidullah Khan
Bagrodia, Shri Santosh
Balmiki, Shri Krishan Lal
Barot, Shri Jayantilal
Basha, Shri S.M. Laljan
Bhandary, Prof. Ram Deo
Bhardwaj, Shri Hans Raj
Bhardwaj, Shri Suresh
Bhatia, Shri Virendra
Bhattacharjee, Shri Karnendu
Biswas, Shri Debabrata

Bohidar Ms. Pramila
Bora, Shri Indramoni
Cariappa, Shrimati Prema
Chandran, Shri S.S.
Chandrasekhar, Shri Rajeev
Chatterjee, Shri Prasanta
Chaturvedi, Shri Lalit Kishore
Chaturvedi, Shri Satyavrat
Chavan, Shri Prithviraj
Condpan, Shri Silvius
Darda, Shri Vijay J.
Deora, Shri Murli
Deshpande, Kumari Nirmala
Dhinakaran, Shri T.T.V.
Durga, Shrimati N.P.
Dwivedi, Shri Janardan
Gill, Dr. M.S.
Gnanadesikan, Shri B.S.
Govindarajar, Shri N.R.
Goyal, Shri Vedprakash P.
Gupta, Shri Prem Chand
Hariprasad, Shri B.K.
Heptulla, Dr. (Shrimati) Najma A.
Indira, Shrimati S.G.
Jaitley, Shri Arun
Joshi, Shri Manohar Gajanan
Joshi, Dr. Murli Manohar
Judev, Shri Dilip Singh
Kamaraj, Shri R.
Kanchal, Shri Banwari Lal
Karan Singh, Dr.
Karat, Shrimati Brinda

Kashyap, Shri Ramadhar
Keishing, Shri Rishang
Khan, Shri Rahman
Khan, Shri S.P.M. Syed
Khandelwal, Shri Pyarelal
Kidwai, Shrimati Mohsina
Krishnamurthy K., Shri Jana
Kshatriya, Prof. Alka Balram
Kurian, Prof. P.J.
Lath, Shri Surendra
Lepcha, Shri O.T.
Madhu, Shri Penumalli
Mahendra Mohan, Shri
Majhi, Shri Bhagirathi
Majumdar, Shri Chittabrata
Malaisamy, Dr. K.
Mandal, Shri Mangani Lal
Maroo, Shri Ajay
Mishra, Shri Satish Chandra
Mohapatra, Shri Pyarimohan
Mukherjee, Dr. Barun
Murthy, Shri M. Rajasekara
Naik, Shri Shantaram Laxman
Nandi Yellaiah, Shri
Naqvi, Shri Mukhtar Abbas
Narayanan, Shri P.G.
Narayanasamy, Shri V.
Natchiappan, Shri E.M. Sudarsana
Natwar Singh, Shri K.
Nayak, Dr. Radhakant
Pachouri, Shri Suresh
Pany, Shri Rudra Narayan
Pasha, Shr Sd. Azeez
Patel, Shri Ahmed

Patel, Shri Kanjibhai
Patel, Shri Keshubhai S.
Patel, Shri Praful
Patel, Shri Surendra Motilal
Pathak, Shri Saman
Perumal, Shri C.
Pillai, Shri K. Chandran
Pillai, Shri Thennala G. Balakrishna
Poojary, Shri Janardhana
Prasad, Shri Rajniti
Prasad, Shri Ravi Shankar
Rahman, Shri Motiur
Rajasekharan, Shri M.V.
Ramachandraiah, Shri C.
Ramesh, Shri Jairam
Rao, Dr. Dasari Narayana
Rao, Shri K. Keshava
Rao, Shri V. Hanumantha
Rashtrapal, Shri Praveen
Raut, Shri Sanjay
Ravi, Shri Vayalar
Rawat, Shri Harish
Rebello, Ms. Mabel
Rebia, Shri Nabam
Reddy, Shri G. Sanjeeva
Reddy, Shri Mule Venkata Mysura
Reddy, Shri Ravula Chandra Sekar
Reddy, Dr. T. Subbarami
Roy, Shri Abani
Roy, Shri Tarini Kanta
Rupani, Shri Vijay Kumar
Sabharwal, Shri Dharam Pal
Samadani, Shri M.P. Abdussamad
Sarkar, Shri Matilal

Selvan, Shri Thanga Tamil
Sen, Shri Tapan Kumar
Sengupta, Shri Arjun Kumar
Sharma, Shri Laxminarayan
Sharma, Shri Satish Kumar
Sharmah, Shri Dwijendra Nath
Shinde, Shri Sushilkumar Sambhajirao
Shukla, Shri Rajeev
Shunmugasundaram, Shri R.
Siddiqui, Shri Shahid
Singh, Shri Amar
Singh, Shri Arjun
Singh, Shri Bashistha Narain
Singh, Dr. Manmohan
Singh, Shrimati Maya
Singh, Shri Uday Pratap
Singhvi, Dr. Abhishek Manu
Sinha, Shri Yashwant
Soni, Shrimati Ambika
Soz, Prof. Saif-ud-Din
Sukhbuns Kaur, Shrimati
Sushree Devi, Shrimati
Swaraj, Shrimati Sushma
Tariq Anwar, Shri
Thakur, Shrimati Viplove
Thirunavukkarasar, Shri Su.
Tiriya, Ms. Sushila
Trivedi, Shri Dinesh
Vasan, Shri G.K.
Verma, Shri Vikram
Vijayaraghavan, Shri A.
Vora, Shri Motilal
Vyas, Shri Shreegopal
Yadav, Shri Nand Kishore

Yadav, Shri Sharad
Yadav, Shri Subhash Prasad
Yechury, Shri Sitaram
Zeliang, Shri T.R.

Noes : Nil

The motion was carried by a majority of the total membership of the House and by a majority of not less than two-thirds of the Members present and voting.

Clause 1, the Enacting Formula and the Title were added to the Bill.

SHRI SHRIPRAKASH JAISWAL: Sir, I move:

That the Bill be passed.

MR. CHAIRMAN: The question is:

That the Bill be passed.

The House divided

MR. CHAIRMAN:

Ayes	:	157
Noes	:	Nill
Ayes	:	**157**

Aggarwal, Shri Jai Parkash
Ahmed, Shri Sk. Khabir Uddin
Akhilesh Das, Dr.
Alexander, Dr. P.C.
Ali, Shri Anwar
Alvi, Shri Raashid
Anand Sharma, Shri
Anbalagan, Shri S.
Antony, Shri A.K.
Azad, Shri Gandhi
Azmi, Maulana Obaidullah Khan
Bagrodia, Shri Santosh
Balmiki, Shri Krishan Lal
Barot, Shri Jayantilal

Basha, Shri S.M. Laljan
Bhandary, Prof. Ram Deo
Bhardwaj, Shri Hans Raj
Bhardwaj, Shri Suresh
Bhatia, Shri Virendra
Bhattacharjee, Shri Karnendu
Biswas, Shri Debabrata
Bohidar Ms. Pramila
Bora, Shri Indramoni
Cariappa, Shrimati Prema
Chandran, Shri S.S.
Chandrasekhar, Shri Rajeev
Chatterjee, Shri Prasanta
Chaturvedi, Shri Lalit Kishore
Chaturvedi, Shri Satyavrat
Chavan, Shri Prithviraj
Condpan, Shri Silvius
Darda, Shri Vijay J.
Deora, Shri Murli
Deshpande, Kumari Nirmala
Dhinakaran, Shri T.T.V.
Durga, Shrimati N.P.
Dwivedi, Shri Janardan
Gill, Dr. M.S.
Gnanadesikan, Shri B.S.
Govindarajar, Shri N.R.
Goyal, Shri Vedprakash P.
Gupta, Shri Prem Chand
Hariprasad, Shri B.K.
Heptualla, Dr. (Shrimati) Najma A.
Indira, Shrimati S.G.
Jaitley, Shri Arun

Joshi, Shri Manohar Gajanan
Joshi, Dr. Murli Manohar
Judev, Shri Dilip Singh
Kamaraj, Shri R.
Kanchal, Shri Banwari Lal
Karan Singh, Dr.
Karat, Shrimati Brinda
Kashyap, Shri Ramadhar
Keishing, Shri Rishang
Khan, Shri K. Rahman
Khan, Shri S.P.M. Syed
Khandelwal, Shri Pyarelal
Kidwai, Shrimati Mohsina
Krishnamurthy K., Shri Jana
Kshatriya, Prof. Alka Balram
Kurian, Prof. P.J.
Lath, Shri Surendra
Lepcha, Shri O.T.
Madhu, Shri Penumalli
Mahendra Mohan, Shri
Majhi, Shri Bhagirathi
Majumdar, Shri Chittabrata
Malaisamy, Dr. K.
Mandal, Shri Mangani Lal
Maroo, Shri Ajay
Mishra, Shri Satish Chandra
Mohapatra, Shri Pyarimohan
Mukherjee, Dr. Barun
Murthy, Shri M. Rajasekara
Naik Shri Shantaram Laxman
Nandi Yellaiah, Shri
Naqvi, Shri Mukhtar Abbas
Narayanan, Shri P.G.
Narayanasamy, Shri V.
Natchiappan, Shri E.M. Sudarsana

Natwar Singh, Shri K.
Nayak, Dr. Radhakant
Pachouri, Shri Suresh
Pany, Shri Rudra Narayan
Pasha, Shri Sd. Azeez
Patel, Shri Ahmed
Patel, Shri Kanjibhai
Patel, Shri Keshubhai S.
Patel, Shri Praful
Patel, Shri Surendra Motilal
Pathak, Shri Saman
Perumal, Shri C.
Pillai, Shri K. Chandran
Pillai, Shri Thennala G. Balakrishna
Poojary, Shri Janardhana
Prasad, Shri Rajniti
Prasad, Shri Ravi Shankar
Rahman, Shri Motiur
Rajasekharan, Shri M.V.
Ramachandraiah, Shri C.
Ramesh, Shri Jairam
Rao, Dr. Dasari Narayayana
Rao, Shri K. Keshava
Rao, Shri V. Hanumantha
Rashtrapal, Shri Praveen
Raut, Shri Sanjay
Ravi, Shri Vayalar
Rawat, Shri Harish
Rebello, Ms. Mabel
Rebia, Shri Nabam
Reddy, Shri G. Sanjeeva
Reddy, Shri Mule Venkata Mysura
Reddy, Shri Ravula Chandra Sekar

Reddy, Dr. T. Subbarami
Roy, Shri Abani
Roy, Shri Tarini Kanta
Rupani, Shri Vijay Kumar
Sabharwal, Shri Dharam Pal
Samadani, Shri M.P. Abdussamad
Sarkar, Shri Matilal
Selvan, Shri Thanga Tamil
Sen, Shri Tapan Kumar
Sengupta, Shri Arjun Kumar
Sharma, Shri Laxminarayan
Sharma, Shri Satish Kumar
Sharmah, Shri Dwijendra Nath
Shinde, Shri Sushilkumar Sambhajirao
Shukla, Shri Rajeev
Shunmugasundaram, Shri R.
Siddiqui, Shri Shahid
Singh, Shri Amar
Singh, Shri Arjun
Singh, Shri Bashistha Narain
Singh, Dr. Manmohan
Singh, Shrimati Maya
Singh, Shri Uday Pratap
Singhvi, Dr. Abhishek Manu
Sinha, Shri Yashwant
Soni, Shrimati Ambika
Soz, Prof. Saif-ud-Din
Sukhbuns Kaur, Shrimati
Sushree Devi, Shrimati
Swaraj, Shrimati Sushma
Tariq Anwar, Shri
Thakur, Shrimati Viplove
Thirunavukkarasar, Shri Su.

Tiriya, Ms. Sushila
Trivedi, Shri Dinesh
Vasan, Shri G.K.
Verma, Shri Vikram
Vijayaraghavan, Shri A.
Vora, Shri Motilal
Vyas, Shri Shreegopal
Yadav, Shri Nand Kishore
Yadav, Shri Sharad
Yadav, Shri Subhash Prasad
Yechury, Shri Sitaram
Zeliang, Shri T.R.

Noes : Nil

The motion was carried by a majority of the total membership of the House and by a majority of not less than two-thirds of the Members present and voting.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondichery): Sir, the hon. Leader of the Opposition is not present. The Constitutional Amendment is on the tribal issue. It is a matter of concern for everybody. The hon. Leader of the Opposition should have been present in the House. ...(*Interruptions*)... I would only like to bring this to the notice of the august House. Thank you. ...(*Interruptions*)...

SHRI ARUN JAITLEY: The hon. Home Minister should have been present in the House. It is his Bill. ...(*Interruptions*)...

SHORT DURATION DISCUSSION

Steep rise in the prices of essential commodities in the country

श्री सभापति: आप इन बातों को छोड़िए। ...(व्यवधान)... बस, हो गया, हो गया। ठीक है। ...(व्यवधान)... Short Duration Discussion! श्री यशवन्त सिन्हा ...(व्यवधान)...

SHRI YASHWANT SINHA (Jharkhand): Sir ...(*Interruptions*)...

SHRI ARUN JAITLEY (Gujarat): The Home Minister is the Member of this House ...(*Interruptions*)...